RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : शनिवार, 07 जनवरी 2023 वर्ष 04 अंक 226 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

बीएमसी चुनाव से पहले एक्शन मोड़ पर मुख्यमंत्री शिंदे

संगठनात्मक कार्यों के लिए की छह सदस्यीय टीम नियुक्त

मुंबई : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली बालासाहेबंची शिवसेना ने छह सदस्यीय टीम नियुक्त की है जो महत्वपूर्ण नगर निकाय चुनावों से पहले मुंबई में संगठनात्मक कार्यों का जिम्मा संभालेगी। इस टीम में सांसद राहुल शेवाले और गजानन कीर्तिकर, मुंबई शहर के संरक्षक मंत्री दीपक केसरकर, उप नेता शीतल म्हात्रे और आशा मामिदी और शेवाले की पत्नी एवं पूर्व पार्षद कामिनी शेवाले शामिल हैं। पार्टी सचिव संजय मोरे ने बताया कि टीम का गठन बुधवार को किया गया। बालासाहेबंची शिवसेना के 40 विधायकों में से छह विधायक प्रकाश सुर्वे, महेश लांडे, दिलीप लांडे, सदा सर्वंकर, यामिनी जाधव और मंगेश कुदलकर मुंबई से हैं। मुंबई से शिवसेना के तीन में से दो सांसद शेवाले और कीर्तिकर मुख्यमंत्री शिंदे के साथ हैं। बीएमसी चुनाव इस साल की शुरूआत में होने की संभावना है।

नवनीत राणा पर कार्रवाई की लटकी तलवार !

फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में 20 जनवरी को सुनवाई ...

मुंबई : फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले मामले में सांसद नवनीत राणा की मुश्किलें कम नहीं हो रही है, उन पर कार्रवाई की तलवार लटकी हुई है। शिवड़ी मजिस्ट्रेट कोर्ट ने नवनीत राणा और उनके पिता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 20 जनवरी होगी। कोर्ट ने नवनीत के गैर जमानती वारंट पर रोक लगाने से इनकार कर दिया।

नवनीत राणा के वकील ने गुरुवार को शिवड़ी मजिस्ट्रेट कोर्ट में मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई 17 जनवरी को करेगा। यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। इसलिए कार्रवाई पर रोक लगा दिया जाना चाहिए, लेकिन कोर्ट ने रोक लगाने से इनकार कर दिया है। इसलिए नवनीत राणा पर गिरफ्तारी की तलवार लटकी हुई है।

प्रमाण पत्र को जाली बनाने का आरोप

अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र मामले में मुलुंड पुलिस स्टेशन में नवनीत राणा के खिलाफ धारा 420, 468, 471 और 34 के तहत मामला दर्ज किया गया था। नवनीत और हरभजन सिंह राम सिंह कुंडले के अलावा उनके पिता भी इस मामले में आरोपी हैं। नवनीत राणा पर अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए अपने स्कूल छोड़ने के प्रमाण पत्र को जाली बनाने का आरोप है।

मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने पकड़ा 4.47 किलोग्राम हेरोइन, 1.596 किलोग्राम कोकीन

आगे की कार्रवाई जारी...

मुंबई : मुंबई एयरपोर्ट कस्टम्स ने दो अलग-अलग मामलों में 31.29 करोड़ रुपये मूल्य की 4.47 किलोग्राम हेरोइन और 15.96 करोड़ रुपये मूल्य की 1.596 किलोग्राम कोकीन जब्त की है. हेरोइन को दस्तावेजों के फोल्डर कवर में छुपाया गया था जबकि कोकीन को कपड़े के बटन में छुपाया गया था. इसका वीडियो भी अब समाने आया है. इससे पहले मुंबई एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने मुंबई से दुबई ट्रेवल कर रहे एक इंडियन फैमिली को पकड़ा था.

इससे पहले कस्टम विभाग ने मुंबई से दुबई ट्रेवल कर रही एक इंडियन फैमिली को पकड़ा जिनके पास से 4.1 करोड़ रुपये के अमेरिकी डॉलर मिले. मुंबई एयरपोर्ट कस्टम विभाग ने खुफिया जानकारी के आधार पर मुंबई से दुबई ट्रेवल कर रहे एक इंडियन फैमिली को पकड़ा. सूत्रों ने बताया कि मुंबई एयर इंटेलिजेंस यूनिट को खुफिया जानकारी मिली थी. जिसके आधार पर कस्टम के साथ एक जॉइंट ऑपरेशन किया गया और दुबई जा रहे एक फैमिली के 3 मेंबर को रोका और उनकी तलाशी ली गई. उनके पास से एजेंसियों को 4.91 लाख अमेरिकी डॉलर मिले. जिसका इंडियन करेंसी के अनुसार तकरीबन 4.1 करोड़ रुपये की कीमत आंकी गई.

दो बुजुर्ग और एक युवक को पकड़ा

कस्टम विभाग के सूत्रों ने बताया को यात्री दुबई की फ्लाइट संख्या ऋ 446 से मुंबई से दुबई तक ट्रेवल करने वाले थे. तब उन्हें बॉर्डिंग करने के दौरान रोका गया. एक अधिकारी ने बताया की फैमिली में दो बुजुर्ग और एक नवयुवक यात्रा कर रहे थे.

अच्छी परवरिश के लालच में दुधमुंहे बच्चे को बेच डाला

मुंबई : मंहगाई की मार झेल रही एक गरीब मां दुधमुंहे ट्रैफिकिंग के जाल में फंस गई। दूध पीते बच्चे की अच्छी परवरिश का लालच देकर दुधमुंहे ट्रैफिकिंग गैंग ने उसके दिल के टुकड़े को गुजरात में बेच दिया। जब बेचैन मां ने अपने बच्चे से मिलने की इच्छा जताई तो सभी आरोपियों ने उससे संपर्क तोड़ दिया। आखिरकार, लाचार मां ने पुलिस से गुहार लगाई। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि पांच बेटियों के पिता ने अपने वंश की परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए दो माह के मासूम बच्चे को खरीदा था। पुलिस के मुताबिक इस वारदात में चार पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पीड़ित मां आशा (बदला हुआ नाम) नालासोपारा की निवासी है। महिला का परिवार शहर में कचरा उठाने का काम करता है। इस दौरान विरार में रहनेवाली एक आरोपी महिला से उसकी जान-पहचान हुई। आरोपी महिला ने आशा को बताया कि एक परिवार को वंश आगे बढ़ाने के लिए लड़का चाहिए। साथ ही उसके बच्चे की परवरिश अच्छे परिवार में होने और पैसे का लालच भी उसे दिया। इसके बाद महिला ने आशा को एक दूसरे आरोपी से मिलवाया। आरोपी ने दो माह के बच्चे के माता-पिता को अच्छी परवरिश का लालच देकर बच्चे को अपने कब्जे में ले लिया और उसको गुजरात के वलसाड जिले में २ लाख ३५ हजार रुपए में बेच दिया।

चाकू से किये महिला के शरीर पर कई वार...

दरवाजे पर बाहर से लगा दिया ताला, गिरफ्तार हुआ आरोपी

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में अपनी सह-जीवन साथी की हत्या के आरोप में 30-वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उल्हासनगर संभाग के हिल लाइन थाने के वरिष्ठ निरीक्षक रंजीत डेरे ने बताया कि सात नवंबर, 2022 को 37 साल की एक महिला अंबरनाथ के नेवली इलाके में अपने घर में मृत पाई गई थी।

डेरे ने बताया कि साड़ी से महिला का गला घोंट दिया गया था और चाकू से उसके शरीर पर कई वार किये गये थे एवं मकान के दरवाजे पर बाहर से ताला लगा दिया गया था। उनके अनुसार, जांच से खुलासा हुआ कि पिछले कुछ महीनों से यह महिला अकोला के एक व्यक्ति के साथ सह-जीवन में रह रही थी, जो एक निर्माण कंपनी में चालक की नौकरी करता है।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, महिला उसके साथ शादी करना चाहती थी और इसी बात को लेकर अक्सर दोनों के बीच झगड़ा होता रहता था। उनके अनुसार, घटना के दिन भी उनके बीच झगड़ा हुआ था और आरोपी उसकी हत्या कर वहां से भाग गया था। डेरे ने बताया कि आरोपी को बुधवार को औरंगाबाद से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, 'हम इस सूचना की भी पुष्टि कर रहे हैं कि उसे एक अन्य मामले में भी दोषी ठहराया गया था और उसने जेल की सजा काटी थी।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

खास की अभिव्यक्ति...!

नेताओं के बड़बोले व मयार्दाओं का अतिक्रमण करते बयान गाहे–बगाहे सुर्खियों में रहते हैं। जिसको लेकर यह विमर्श जारी रहता है कि इस पर अंकुश लगाया जाना चाहिए। आम धारणा रही है कि कहीं न कहीं वे अभिव्यक्ति की आजादी का अतिक्रमण करते हैं। यह सामान्य मत है कि नेताओं के बयान संयमित और आम आदमी के लिये प्रेरणादायक होने चाहिए। जैसे कि स्वतंत्रता आंदोलन व उसके कुछ वर्षों तक स्वतंत्र भारत में देखा जाता था। अब अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में साफ किया है कि आम आदमी की तरह ही इसकी निर्धारित सीमाओं से इतर किसी की अभिव्यक्ति पर कोई बंधन नहीं लगाया जा सकता। साथ ही यह कि किसी जनप्रतिनिधि, मसलन सांसद–विधायक, के बयान को सरकार की राय के रूप में नहीं देखा जा सकता। देश की शीर्ष अदालत की पांच न्यायाधीशों की खंडपीठ ने साफ किया कि अभिव्यक्ति की जो आजादी अनुच्छेद 19(2) के तहत मिली है उसे और सीमित नहीं किया जा सकता। हालांकि, बैंच में शामिल न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना ने अलग राय रखते हुए समाज में कटुता फैलाने वाले बयानों का संदर्भ देते हुए कहा कि जिम्मेदार पदों पर आसीन लोगों को संयमपूर्ण भाषा का प्रयोग करना चाहिए। इससे समाज में वैमनस्य बढ़ता है। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में सक्रिय नेताओं को जवाबदेह बनाने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि समाज में सद्भाव कायम रह सके। हालांकि उनका मानना था कि इस गंभीर मुद्दे पर संसद को ही पहल करनी चाहिए। निस्संदेह, समय के गंभीर सवालों पर न्यायपालिका की भूमिका एक मार्गदर्शक की होती है। जिसमें निर्णायक भूमिका तो विधायिका व कार्यपालिका को निभानी होती है। यह देखने वाली बात है कि देश की संसद इस गंभीर मुद्दे पर क्या पहल करती है। स्वस्थ लोकतंत्र में इसके मूल्यों की प्रतिष्ठा के लिये राजनीतिक नेतृत्व का गरिमामय व्यवहार अनिवार्य शर्त है। जिसकी जरूरत शीर्ष अदालत भी महसूस करती रही है।

बहरहाल, यह निर्विवाद सत्य है कि खास लोगों व आम लोगों के लिये अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब निरंकुश व्यवहार कदापि नहीं है। खासकर किसी राजनेता को भी इस बात की छूट कदापि नहीं है कि वह जो मन में आये कह दे। सामाजिक रूप से भी नई पीढ़ी अपने नेतृत्व के सार्वजनिक व्यवहार से प्रभावित होती है। जैसा कि एक दुराचार की घटना में उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री व सपा नेता के बेलगाम बयान के आलोक में शीर्ष अदालत में इस मुद्दे पर न्यायिक विमर्श हुआ। हालांकि शीर्ष अदालत के हस्तक्षेप के बाद सपा नेता ने माफी मांग ली थी। इस घटनाक्रम के संदर्भ में विमर्श आगे बढ़ा कि क्या ऐसे नेताओं के बोलने पर अंकुश लगाया जा सकता है। इसी संदर्भ में शीर्ष अदालत की बैंच ने कहा कि किसी भी तरह के प्रतिबंध से अभिव्यक्ति की आजादी बाधित होती है। लेकिन इसके बावजूद नैतिकता के आधार पर किसी भी नेता को अपने सार्वजनिक व्यवहार को संयमित रखना ही चाहिए। हालांकि आम जन को यह सवाल जरूर मथेगा कि किसी नेता का कोई बयान उसका निजी है या वह पार्टी लाइन पर बोल रहा है। जिसकी स्पष्ट व्याख्या के यक्ष प्रश्न अभी बाकी हैं। हाल के दिनों में कुछ नेताओं के बेलगाम बोल इस समस्या के समाधान की जरूरत बताते रहे हैं। यह सर्वविदित है कि अकसर बेतुके बोल एक वर्ग व समूह को उद्वेलित कर जाते हैं। जिसकी तीखी प्रतिक्रिया भी देखने में आ सकती है। जैसा कि पीठ में शामिल एक न्यायाधीश ने कहा भी कि राजनीतिक दलों को अपने नेताओं की तरफ से दिये जाने वाले बयानों को मर्यादित करवाने की दिशा में पहल करनी चाहिए। सवाल यह भी है कि क्या इसके लिये कोई आचार संहिता होनी चाहिए? बहरहाल समाज में एक सामान्य व्यक्ति से लेकर विशिष्ट व्यक्ति को संयमित व्यवहार तो करना ही चाहिए। यह जानते हुए कि अभिव्यक्ति की आजादी असीमित नहीं है। हमारा विवेक भी उसकी सीमाएं निर्धारित करता है। यह बात आम से लेकर खास तक पर लागू होती है।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मुंबई के दिंडोशी में नौकरी के नाम पर लगाया करोड़ों का चूना... हजारों लोगों से लिए पैसे

मुंबई : मुंबई में नौकरी के नाम पर लोगों से ठगी करने का मामला सामने आया है. नेशनल सिक्योरिटी कंपनी में जॉब देने के नाम पर डेढ़ हजार से ज्यादा लोगो के साथ ठगी की गई है. मुंबई के दिंडोशी पुलिस ने सिक्योरिटी सुपरवाइजर की पोस्ट पर नौकरी देने के नाम पर डेढ़ हजार से ज्यादा लोगो को लाखों का चूना लगाने वाले कंपनी के मैनेजर बंटी और बबली, एक पुरुष और एक महिला को गिरफ्तार किया है. देश में होने वाले अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन में निजी सिक्योरिटी देने के नाम पर यह लोगों से पैसे ठग रहे थे.

पुलिस ने क्या कहा?

जांच अधिकारी अतुल माली ने बताया कि भारत में होने वाले बड़े आयोजन में निजी सिक्योरिटी देने के नाम पर फर्जी कंपनी चलाने और डेढ़ हजार से अधिक लोगों से पैसे की ठगी के मामले में एक प्रेमी जोड़े बंटी और बबली को गिरफ़्तार किया है. मुंबई पुलिस की गिरफ़्त में आए दोनों आरोपियों में धोखेबाज महिला का नाम कविता लाड है जबकि दूसरा उसका प्रेमी अब्दुल हमीद शेख है, जो कि फि ल्मी जोड़ी बंटी बबली की तर्ज पर काम करते थे.

जांच अधिकारी अतुल माली ने बताया कि आरोपी मालाड रेलवे स्टेशन के पास नेशनल सिक्योरिटी के नाम से सिक्योरिटी कंपनी का बोगस ऑफिस खोलकर लोगों को फंसाने का काम करते थे. दरसअल मालाड पूर्व दिंडोशी पुलिस स्टेशन में एक शख्स ने शिकायत की थी कि मालाड स्टेशन के पास नेशनल सिक्योरिटी कंपनी का दफ्तर खुला था, पीड़ित व्यक्ति ने कंपनी में सिक्योरिटी सुपरवाइजर के पद के लिए आवेदन किया था. कंपनी की तरफ से आरोपियों ने उसे एक फॉर्म भरवाकर यूनिफॉर्म के नाम पर कम से कम ढाई से तीन हजार रुपये भरवाते थे. कई पीड़ितों से तो दस हजार रुपये लिए थे.

फर्जी कंपनी चला रहे थे

काम के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री सहित श्श्क्ढ लोगों के कार्यक्रमों में निजी सुरक्षा की जिम्मेदारी दी जाने की बात कही गई. पैसा भरने के बाद पीड़ित व्यक्ति को नौकरी जॉइन करने की तारिख अगले महीने की दे देते थे. ऐसे कंपनी के मैनेजर रोजाना करीब 40 लोगो को सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर के पद पर काम दिलाने के नाम पर ढाई हजार से दस हजार रुपये ले लेते थे. करीब 3 महीने तक यह फर्जी ऑफिस नेशनल सिक्योरिटी के नाम पर चलता रहा.

पुलिस ने धोखेबाज महिला कविता लाड और पुरुष अब्दुल हमीद शेख को गिरफ्तार कर लिया है. दिंडोशी पुलिस का कहना है कि सिक्योरिटी कंपनी का एकाउंट फ्रीज कर दिया गया है. पुलिस का निवेदन है कि जिन लोगों के साथ सिक्योरिटी गार्ड और सुपरवाइजर में नाम पर भर्ती होने की ठगी की गई है वह दिंडोशी पुलिस स्टेशन आकर अपना बयान दर्ज करा सकते हैं. पुलिस को आशंका है की पीड़ितों की संख्या मुंबई के बाहर भी है और करोड़ों रुपये की ठगी की गई है.

हॉस्पिटल के एक मरीज ने दो डॉक्टरों को चाकू मारकर किया घायल

रेजिडेंट डॉक्टर करेंगे हड़ताल...

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के यवतमाल से एक बेहद ही चौंका देने वाली घटना सामने आई है। जहां पर जिले के श्री वसंतराव नाइक सरकारी अस्पताल में गुरुवार को एक मरीज ने रेजिडेंट डॉक्टर पर चाकू से हमला कर दिया। अपने सहयोगी के बचाव में आने पर एक अन्य डॉक्टर को भी चोट लग गई। जिनमें से एक डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गया है और उसका ऑपरेशन किया जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी सूरज ठाकुर यवतमाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती था। आरोपी ने दो दिन पहले खुद को चाकू मार लिया था। वह मानसिक रूप से अस्थिर व्यक्ति है। जब डॉक्टर चक्कर लगा रहे थे, तभी आरोपी ने उस पर चाकू से हमला कर दिया। यवतमाल में दो रेजिडेंट डॉक्टरों पर कथित चाकू से हमले का विरोध करते हुए डॉक्टरों ने उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है। विरोध को देखते हुए एसवीएनजीएमसी यवतमाल के निवासी सभी आपातकालीन और गैर-आपातकालीन सेवाओं को बंद कर देंगे। रेजिडेंट डॉक्टरों पर हमले के बाद रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन ने हड़ताल का ऐलान किया है।

तो वहीं बीएमसी एमएआरडी अध्यक्ष प्रवीण धागे ने कहा यवतमाल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एक मरीज ने रेजिडेंट डॉक्टर पर चाकू से हमला कर दिया। वह घायल हो गया और उसका इलाज चल रहा है। यह पहली घटना नहीं है, इससे पहले भी एक एमबीबीएस छात्र पर चाकू से हमला किया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि हमने राज्य सरकार से वहां सुरक्षा बढ़ाने का अनुरोध किया, लेकिन अभी तक कोई कदम नहीं उठाया गया।

मुंबई पुलिस ने मकर संक्रांति से पहले नायलोन मांझे पर लगाया बैन

उल्लंघन किया तो लगेगा जुमार्ना...

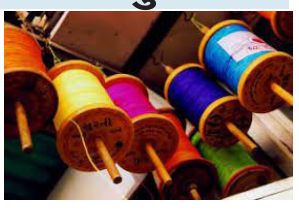

मुंबई : आगामी मकर संक्रांति से पहले मुंबई पुलिस ने नायलॉन मांझा के उपयोग, बिक्री और उसके भंडारण पर प्रतिबंध लगा दिया है. एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. पुलिस अधिकारी ने बताया कि त्यौहार के दौरान नायलॉन के तार में फंसकर पक्षियों और इंसानों की होने वाली मौतों को रोकने के लिए एक महीने के लिए नायलॉन तार की बिक्री, उसके उपयोग और भंडारण पर प्रतिबंध लगाया गया है.

गुरुवार को पुलिस द्वारा जारी आदेश के मुताबिक 12 जनवरी से 10 फरवरी तक नायलॉन मांझे के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया है. अधिकारी ने कहा कि यह देखा गया है कि प्लास्टिक या अन्य सिंथेटिक सामग्री से बने नायलॉन के तार या मांझे के इस्तेमाल से अक्सर लोग या पक्षी गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं, कुछ मामलों में पछियों और लोगों की मौत भी हो जाती है.

उन्होंने कहा कि नायलॉन के तार पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं, क्योंकि वे गलनशील नहीं होते और इसलिए वे सीवर को रोक सकते हैं और पानी को भी प्रदूषित कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि आदेश का सख्ती से पालन किया जाए. आदेश का उल्लंघन कर नायलॉन या चाइनीज मांझे का उपयोग, बिक्री और भंडारण करने वाले लोगों पर भारतीय दंड सहिंता की धारा 188 (लोक सेवक द्वारा जारी आदेश की अवहेलना) के तहत जुमार्ना लगाया जाएगा. बता दें कि देश के अलग-अलग इलाकों से चाइनीज मांझे में फंसकर कई लोगों के हादसे का शिकार होने के मामले सामने आ चुके हैं. पिछले साल दिल्ली के रोहिणी में मोटरसाइकिल पर जा रहे एक शख्स की गर्दन में चाइनीज मांझा फंस गया था जिससे उसकी मौत हो गयी थी.

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार , 07 जनवरी 2023

मजदूरों का साथ मिला तो केंद्र में कांग्रेस सरकार

इंटक के राज्य स्तरीय अधिवेशन में बोले नाना पटोले, केंद्र सरकार ने मजदूरों के अधिकार खत्म किए

मुंबई : पनवेल में इंटक के राज्य स्तरीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने केंद्र में फिर से कांग्रेस की सरकार लाने के लिए मजदूरों से साथ देने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने मालिकों के हित में कानून बनाकर मजदूरों के अधिकारों को खत्म कर दिया है। पटोले ने विश्वास जताया कि महाराष्ट्र में कांग्रेस सरकार आएगी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में कई बड़े आश्वासन देने के बाद नरेंद्र मोदी को सत्ता मिली। हर साल 2 करोड़ रोजगार, हर व्यक्ति के खाते में 15 -15 लाख रुपए, एक देश-एक कर, किसानों की आय दोगुनी करने का प्रलोभन देने पर जनता ने भाजपा को बहुमत से सत्ता में बिठाया, लेकिन सत्ता हाथ में आने के बाद भाजपा सरकार ने प्रसार माध्यम को कब्जे में लेकर लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को खत्म करने का काम किया। प्रशासनिक व्यवस्था पर दवाब बनाया गया। न्यायपालिका की स्थिति भी अलग नहीं है। कृषि और किसानों को अलग-थलग करने के लिए तीन काले कानून लाने की योजना बनाई, लेकिन कांग्रेस ने पूरे देश में आवाज उठाई, किसानों के आंदोलन का समर्थन किया और आखिरकार मोदी सरकार को काले कानूनों को वापस लेने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि पहले ऐसे कानून थे, जो श्रमिकों को विभिन्न रियायतें, अधिकार और विशेषाधिकार देते थे, लेकिन उन्हें काफी हद तक बदल दिया गया और ऐसे कानून लाए गए जो मालिकों के हित साधने वाले और श्रमिकों को उद्योगपतियों का गुलाम बनाने वाले हैं। इस श्रम कानून ने सब कुछ मालिकों के हाथ में दे दिया है।

पटोले ने कहा कि मजदूरों में भाजपा और केंद्र सरकार के खिलाफ भारी असंतोष है। मजदूर मेहनत से गुजारा करता है, लेकिन केंद्र की मोदी सरकार उद्योगपतियों को फायदा पहुंचा रही है। मोदी सरकार ने अपने उद्योगपति मित्रों का 10.50 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया और मजदूरों के हितों की अनदेखी की। मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए भाजपा के पास कोई योजना नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सभी धर्मों के लोगों को एक साथ लाने, लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए राहुल गांधी 3500 किलोमीटर की पदयात्रा कर रहे हैं। मजदूरों की बड़ी ताकत है। इंटक सबसे महत्वपूर्ण मजदूर संगठन है। इस संगठन का नेटवर्क सभी जगह पर है। यह ताकत कांग्रेसी पार्टी के पक्ष में खड़ी की जाए। पटोले ने कहा कि मुझे विश्वास है कि महाराष्ट्र में कांग्रेस की सरकार आएगी।

महाराष्ट्र में 9 करोड़ 2 लाख 85 हजार 801 मतदाता

मुंबई : भारत चुनाव आयोग की तरफ से फोटो सहित मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम घोषित किया गया था। जिसके तहत अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गयी है। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी और अपर मुख्य सचिव श्रीकांत देशपांडे ने बताया कि महाराष्ट्र में कुल मतदाताओं की संख्या 9 करोड़ 2 लाख 85 हजार 801 है। मंत्रालय में आयोजित पत्रकार परिषद में मुख्य चुनाव अधिकारी देशपांडे ने बताया कि 4 अगस्त 2022 से 7 नवंबर 2022 तक पूर्व- पुनरीक्षण का काम किया गया। इसके तहत मतदान केंद्र का सुसुत्रीकरण और प्रमाणीकरण, दो बार पंजीकरण की गलतियों को दूर करने सहित अन्य सुधार के बाद 9 नवंबर को प्ररूप मतदाता सूची प्रकशित की गई।

अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गयी

विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की कालावधि में युवा मतदाताओं के साथ ही दिव्यांग, महिला, रेड लाइट एरिया में काम करने वाली महिला, तृतीयपंथी व्यक्ति, भटक्या मिमुक्ति जाति के पात्र व्यक्ति अपना नाम पंजीकृत करा सकें। इसके लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। चुनाव आयोग ने शत प्रतिशत मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल करने का निर्देश दिया था। पांच जनवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गयी है। मुख्य चुनाव अधिकारी देशपांडे ने बताया कि राज्य में पुरुष मतदाताओं की संख्या 4 करोड़ 71 लाख 35 हजार 999, जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 4 करोड़ 31 लाख 45 हजार 67 है। राज्य में तृतीयपंथी मतदाताओं की संख्या 4 हजार 735 है। जबकि 6 लाख 77 हजार 483 दिव्यांग मतदाता हैं। पिछले वर्ष की अपेक्षा दिव्यांग मतदाताओं की संख्या में 15 हजार की वृद्धि हुई है।

बच्चों पर शामत आई!

निमोनिया के हो रहे शिकार...

मुंबई, पिछले कुछ सप्ताह से मुंबई समेत आस-पास के क्षेत्रों में सर्दी से टेंशन बढ़ गई है। बदले मौसम, उतार-चढ़ाव वाले तापमान और उच्च आर्द्रता ने बच्चों के लिए शामत ला दी है। बीते कुछ दिनों से बच्चे निमोनिया और सांस संबंधी समस्याओं के शिकार हो रहे हैं। उनमें फ्लू, पेट के कीड़े और अन्य संक्रमण तेजी से पैष्ठल रहे हैं। फ्लू और कोविड-१९ के साथ वर्तमान में रेस्पिरेटरी सिंसिशियल वायरस (आरएसवी) भी बढ़ रहा है। इसे देखते हुए बालरोग चिकित्सकों ने सलाह दी है कि माता-पिता बच्चों का खास ख्याल रखें और बीमार पड़ने पर तुरंत अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे। जानकारों के मुताबिक सर्दी और सांस संबंधी बीमारियों को न्योता देती है। जलवायु में लगातार हो रहे बदलाव के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो गई हैं। कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले बच्चों को अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, जन्मजात हृदय रोग जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। किडनी की बीमारी और सांस की अन्य बीमारियां निमोनिया का कारण बन सकती हैं, जो घातक है। साथ ही फेफड़ों को गंभीर नुकसान भी पहुंचा सकती है। ऐसे में किसी भी गंभीर जटिलता से बचने के लिए बच्चों का समय पर इलाज किया जाना चाहिए।

सर्दियों में बीमार व्यक्ति खांसता या छींकता है, तो बड़ी संख्या में उसकी बूंदें हवा में पैष्ठलती हैं। इससे इस मौसम में बीमारियां आसानी से पैष्ठलती हैं। दूसरी तरफ बदलते वातावरण के कारण बच्चे वायरल बीमारियों का सामना कर रहे हैं। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स ने कोविड महामारी के बाद पहली बार पिछले महीने बच्चों के टीकाकरण के लिए दिशा-निर्देशों में संशोधन किया। टीकाकरण अभियानों को बढ़ावा देने और बाल रोग विशेषज्ञों को सूचित करने के लिए संगठन द्वारा १५० बीमारियों के मानकीकृत उपचार और बीमारियों पर मार्गदर्शन किया गया।

मेरी भूमिका को गलत ठहराने वाले वे कौन?

फडणवीस की टिप्पणी पर अजित पवार का पलटवार...

मुंबई : राकांपा नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता अजित पवार के छत्रपति संभाजी महाराज के बारे में दिए गए बयान पर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा है। गुरुवार को पुणे में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि छत्रपति संभाजी महाराज स्वराज्य रक्षक थे, इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन उन्हें धर्मवीर न कहना उनके विचारों से विद्रोह है। शुक्रवार को अजित पवार ने इस टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि यदि इसमें द्रोह नजर आ रहा है तो केस दाखिल करो। वे मेरी भूमिका को गलत ठहराने कौन हैं?

अजित पवार ने कहा कि मुझे फिर से इस विषय को आगे नहीं बढ़ाना है। मुझे अपना काम करते रहना है। हमें हमारे काम और लोगों की समस्याओं पर ध्यान देना है। उन्हें क्या कहना है..यह उनका अधिकार है। उनके हाथ में सत्ता है.. यदि उन्हें लगता है कि यह द्रोह है..तो केस दाखिल करो.. लेकिन यह केस नियम में बैठेगा? हम जीते जी कभी भी छत्रपति के विचारों से द्रोह नहीं कर सकते..हमारी अगली 10 पीढी में ऐसा कोई द्रोह नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है। संविधान का पालन सभी को करना चाहिए। मेरी भूमिका से सभी सहमत हो..ऐसा मेरा कहना नहीं है, लेकिन मेरी भूमिका को गलत ठहराने वाले वे कौन हैं? मैंने माफी मांगने वाला गुनाह किया है? या अपशब्दों का इस्तेमाल किया है? राज्यपाल, सत्ताधारी मंत्रियों और विधायकों ने निरर्थक बयानबाजी की, अपशब्दों का उपयोग किया, इस पर कोई बोलने को तैयार नहीं है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कुछ राजनीतिक दल अकारण माहौल खराब करने की कोशिश करते हैं। यह सही नहीं है। उन्हें वह भूमिका प्रस्तुत करनी चाहिए जो वे प्रस्तुत करना चाहते हैं। हम वह भूमिका पेश करेंगे, जो हम पेश करना चाहते हैं। अजित पवार ने जोरदार तरीके से कहा कि जनता जिस भूमिका को समझेगी, उसका वह स्वागत करेंगी।

बता दें कि अजित पवार के छत्रपति संभाजी महाराज के बारे में दिए गए बयान पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा था कि छत्रपति संभाजी महाराज स्वराज्य रक्षक हैं, वे देव, देश और धर्म के लिए लड़े। छत्रपति शिवाजी महाराज और छत्रपति संभाजी महाराज नहीं होते तो महाराष्ट्र में हिंदू भी नहीं बचते। ऐसे में वे धर्मवीर हैं और उन्हें धर्मवीर नहीं कहने का मतलब द्रोह है।

ठगी के काम में सायबर जालसाज

मुंबई : सायबर जालसाजी को अंजाम देने में जामताड़ा गिरोह जिस मोडस ऑपरेंडी का इस्तेमाल करती है, अब उसी मोडस ऑपरेंडी का इस्तेमाल राजस्थान के भरतपुर जिले के जालसाजों द्वारा किया जा रहा है। मतलब साफ है कि राजस्थान का भरतपुर इन दिनों सायबर जालसाजों का अड्डा बन गया है। शाम होते ही गैंग ठगी के काम में लग जाता है। मुंबई पुलिस ने एक ऑपरेशन के तहत हिंदुस्थान के नए जामताड़ा गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह में भरतपुर जिले के तीन गांव के लोग शामिल हैं। इस गैंग के खिलाफ देशभर में ८५० से भी ज्यादा मामले दर्ज हैं। मुंबई सायबर पुलिस के हत्थे चढ़े चारों आरोपी राजस्थान के भरतपुर जिले के निवासी हैं। भरतपुर के दूर-दराज इलाके के गांव से इनका ताल्लुक है लेकिन ठगी का टैलेंट ऐसा की बड़े-बड़े शहरों के पढ़े-लिखे व्यक्ति भी इनके झांसे में आ जाते थे। अपने इसी हुनर की बदौलत इन्होंने देशभर में तहलका मचाया हुआ है। हालांकि, ये ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं लेकिन कई राज्यों के सायबर ब्रांच और आईटी एक्सपर्ट को परेशान करके रखा था।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शनिवार , 07 जनवरी 2023

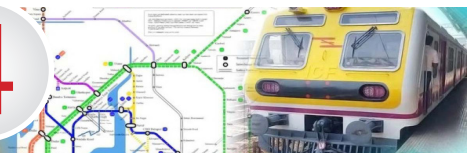

सस्ते दर पर सोना देने के नाम पर झोल, गोली मार कर हत्या

नई मुंबई : सस्ते दर पर सोना देने के नाम पर झोल करना पुणे के एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। उसने पनवेल के एक व्यक्ति के साथ ठगी करने की कोशिश की लेकिन दो लोगों ने उसके सीने में गोली मारकर मौत की नींद सुला दी। हत्या के बाद दोनों आरोपी मुंबई-गोवा महामार्ग के कनार्ला पक्षी अभ्यारण्य के पास ऑडी कार में शव रखकर फरार हो गए थे। हालांकि, दोनों आरोपियों को क्राइम ब्रांच यूनिट-२ ने गिरफ्तार कर लिया है। क्राइम ब्रांच यूनिट-२ के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रविंद्र पाटील ने बताया कि पुणे के रहने वाले संजय मारुति कार्ले की हत्या करने के आरोप में मोहसीन हमीद मुलाणी (३७) और अंकित राजेंद्र कांबले उर्फ साईं (२९) को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि १८ नवंबर २०२२ को कनार्ला अभ्यारण्य के पास ऑडी कार में कार्ले का शव बरामद किए जाने के बाद पनवेल पुलिस स्टेशन में अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

राज्य महिला आयोग ने चित्रा वाघ को नोटिस भेजा

मुंबई : एक्ट्रेस उर्फी जावेद और चित्रा वाघ का विवाद पिछले कुछ दिनों से सुर्खियों में है। चित्रा वाघ ने तंग कपड़े पहनने को लेकर उर्फी जावेद के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। इस मामले में गुरूवार को उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर महिला आयोग की आलोचना की और आरोप लगाया कि आयोग ने अनुराधा वेब सीरीज पोस्टर पर तेजस्विनी पंडित को नोटिस भेजा लेकिन उर्फी पर जानबूझकर नोटिस नहीं भेजा जा रहा है। इस बीच अब इस मामले में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष रूपाली चाकणकर सामने आ गई हैं, उन्होंने वाघ पर गलत जानकारी फैलाने की बात कहते हुए चित्रा वाघ को ही नोटिस भेजने की बात कहीं. रूपाली चाकणकर ने स्पष्ट किया कि चित्रा वाघ ने मीडिया को गलत जानकारी दी। अनुराधा बेवसीरीज के पोस्टर को लेकर राज्य महिला आयोग ने तेजस्विनी पंडित को कोई नोटिस नहीं भेजा है। हमने इसे लेकर अनुराधा वेबसीरीज के डायरेक्टर संजय जाधव को नोटिस भेजा था। यह नोटिस हमें प्राप्त एक शिकायत के आधार पर भेजा गया था और इसमें निदेशक के रूप में आपकी भूमिका स्पष्ट करने का निर्देश दिया गया था। उसके बाद संजय जाधव ने आयोग को जवाब दिया. हालांकि, कहीं भी तेजस्विनी पंडित का कोई जिक्र नहीं था.'' उन्होंने आगे कहा, ''महिला आयोग पिछले 30 वर्षों से काम कर रहा है। आयोग की एक गरिमा है। कई निपुण महिलाओं ने महिला आयोग के लिए काम किया है। इसलिए महिला आयोग के खिलाफ इस तरह के झूठे आरोप लगाने वाली चित्रा वाघ को नोटिस जारी किया है. साथ ही चित्रा वाघ इस मामले में दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण दें, अन्यथा महिला आयोग उनके खिलाफ कार्रवाई करेगा। आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि ह्यभारत के संविधान ने सभी को व्यक्तिगत स्वतंत्रता दी है। चित्रा वाघ को किसी के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें किसी भी मुद्दे पर समय बर्बाद करने के बजाय उन्हें महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात करनी चाहिए। महाराष्ट्र में हर दिन 34 लड़कियां लापता होने की शिकायतें आती हैं, चित्रा वाघ को इस बारे में बोलना चाहिए। पुणे की कई महिलाएं ओमान में फंसी हुई हैं, यह मुद्दा हमारे लिए महत्वपूर्ण है और महिला आयोग इस दिशा में काम कर रहा है।

तीन फरवरी को पेस होगा

मनपा का बजट

36 साल बाद होगी पुनरावृत्ति...

मुंबई : मनपा का आगामी बजट 3 फरवरी को पेस किया जायेगा। वर्तमान में मनपा काक कामकाज प्रशासक के हाथ में होने के कारण लगभग 36 साल बाद एक बार फिर मनपा आयुक्त अपना बजट प्रशासक के रूप में खुद को सौपेंगे। बता दे की मुंबई मनपा पर 8 मार्च 2022 से प्रशासक की नियुक्ति हुई है। मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल प्रशासक के रूप में मनपा का कामकाज देख रहे है। मनपा का बजट फरवरी महीने के सप्ताह पेस किया जाता है। इस साल मनपा में किसी की सत्ता नहीं होने के कारण मनपा आयुक्त चहल प्रशासक के रूप में खुद को ही बजट पेस करेंगे। उल्लेखनीय है कि मुंबई मनपा में 36 साल बाद मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल के रूप में प्रशासक नियुक्त किया गया है। इसके पहले अप्रैल 1984 में डीएम सूखतंकर को मुंबई का पहले प्रशासक के रूप में नियुक्त किया गया था। उसके बाद 12 नवंबर 1984 से 09 मई 1985 की अवधि के दौरान जे.जी. कांगा बतौर प्रशासक के रूप में काम किया था। उसके बाद 1985 में शिवसेना पहली बार मुंबई नगर निगम में सत्ता में आई। लेकिन इन दो सालों में मनपा के बजट को प्रशासकों ने मंजूरी दी थी। इस साल चुनाव स्थगित होने के कारण आयुक्त और प्रशासक इकबाल सिंह चहल 2022-23 का बजट खुद ही रखेंगे, चूंकि 5 फरवरी से पहले मनपा का बजट पेश करना अनिवार्य है इसलिए संभावना है कि शुक्रवार 3 फरवरी को बजट पेश किया जाएगा।

मुंबई के मानखुर्द में नशे को लेकर हत्या, तीन आरोपी हिरासत में

मुंबई : मानखुर्द स्थित लल्लूभाई कंपाउंड के सन ग्रेस कान्वेंट स्कूल के करीब के एक टॉयलेट में 18 वर्षीय युवक के शव मिलने से पूरे परिसर में सनसनी फैल गई। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया, और अज्ञात हत्यारों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक युवक का नाम तैय्यब खान है और उसकी हत्या के आरोप में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनकी उम्र कम बताई जा रही है। सूत्र बताते है कि तैय्यब का एक बड़ा भाई है मोहसिन खान जो की हिस्ट्रीशीटर अपराधी है, बताया जाता है कि हत्या नशे को लेकर हुई है, हालांकि इस मामले में मानखुर्द पुलिस कुछ भी कहने से बच रही है।

नशेड़ियों का अड्डा बन गया शौचालय

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, एमएमआरडीए ने लल्लूभाई कंपाउंड स्थित शॉपिंग सेंटर वालों के लिए स्टार टावर बिल्डिंग के सामने 2005 में पब्लिक टॉयलेट बनाया था, जिसका कभी इस्तेमाल नहीं किया गया, लेकिन शौचालय के बगल की सन ग्रेस कान्वेंट स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के बच्चे भी टॉयलेट के कुछ केबिन को इस्तेमाल करते है। स्थानीय लोगों ने बताया की यह शौचालय नशेड़ियों का अड्डा बन गया है। जिसकी वजह से कई दफा एमएमआरडीए को पत्र लिखकर इसे बंद करने या मरम्मत कर लोगों के लिए बनाने की मांग की गई थी। पुलिस ने बताया कि दोपहर में एक व्यक्ति ने शव देखकर सूचना दी थी, पुलिस मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

संजय राऊत की नारायण राणे को चेतावनी

खोल दूंगा फर्जी कंपनियों के राज

मुंबईः केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के जेल भेजने वाले बयान से उद्धव ठाकरे गुट के सांसद संजय राऊत खासे नाराज हो गए। उन्होंने राणे को चेतावनी देते हुए कहा कि अभी तक मैं चुप था, लेकिन उन्होंने सीमा पार कर दी है। मैं अब राणे की 100 फर्जी कंपनियों और दूसरे मामलों को उजागर करूंगा। राणे कमजोर हैं इसलिए वे ईडी और सीबीआई के डर से भाजपा में भाग गए।

राऊत ने कहा कि यदि राणे मेरे खिलाफ आगे भी बोलते रहेंगे तो मैं उन्हें पूरा नंगा कर दूंगा। मेरे सामने यदि राणे को आना है तो आएं अथवा उनके दोनों बेटे नीलेश राणे और नीतेश राणे को आना है तो वो आ जाएं। राणे केंद्र सरकार की सुरक्षा लेकर घूम रहे हैं। यदि हिम्मत है तो बिना सुरक्षा के सामने आए। राऊत ने कहा कि राणे सभी लोगों के खिलाफ अरे-तुरे की भाषा का इस्तेमाल करते हैं। वे कौन है? यदि उनके भ्रष्टाचार के मामले सामने आएंगे तो वे 50 सालों तक जेल से नहीं निकल पाएंगे। राऊत ने कहा कि मुझे जेल में भेजने की धमकी देने वालों की जानकारी सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ को भेज दिया है। राऊत ने दावा किया कि शिंदे गुट को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह देने के लिए राणे का मंत्री पद छीना जाने वाला है। बता दें कि गुरुवार को राणे ने सिंधुदुर्ग के कणकवली में आयोजित एक कार्यक्रम में राऊत को जेल भेजने की धमकी दी थी। राणे ने कहा था कि राऊत 100 दिनों तक जेल में थे। अब वे खुद दोबारा जेल जाने का रास्ता बना रहे हैं।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com